

Sachi Bhakti Ke 6 Aasan Treeke

जीवन में कलह, दु:ख और बुरा वक्त बहुत अशांत और बेचैन कर देते हैं। ऐसे में हर इंसान बड़ी राहत की ओर खड़ा होता है। दूसरी तरफ अनेक मौकों पर सुख की अर्थात् भी जीवन में निरस्तता लाती है और इंसान सुखानुभवे जीवन के लिए नए उपायों की तलाश में रहता है।

शास्त्रों में दु:ख से छुटकारे और सच्ची सुख का ऐसा ही एक मारग बताया गया है, जिस पर चलकर इंसान हमेशा दु:ख से परे और सुख-शांति से जीवन गुजार सकता है। यह रास्ता है - ईश्वर की शरण।

भगवान की पढाइ यात्री शरणगति भक्तिका ही एक रूप है और अज्ञान भी, कति इसके लिये सलभाव, बचिर और दयवहार से भी उतना ही सरल बनन जरूरी है। खास्तौर पर अहं के अभाव और समर्पण के भाव के बनि भगवान की शरणगति संभव ही नहीं।

सरल शब्दों में अपनी कमजोरियों को जानकर, मानकर व स्वीकार कर भगवान की शरण जान गहरे सुख व शांति दिते हैं। ऐसी ही शरणगति के छः उपाय शास्त्रों में बताए गए हैं-

परमत्तरि मुकुलसय संकल्पो परतकिल्ला ।।

बशितारो वरणं नयसः कारणसमति पदवधि ।।

सार है कि छः बातें समरण कर भगवान की शरण में जाएं -

- भगवान की भक्तिका संकल्प यानी उनको ही मुताबिक होने का मजबूत इरादा रखें। सदागुणों, अच्छे बचिर-दयवहार को अपनाएं।
- भगवान के वपरीत न हों यानी अहंकार और अन्य सभी बुराईयों से दूर रहें।
 - भगवान में गहरा बशितार रखें।
 - यह मानकर चलना कि भगवान हमारी रक्षा करेंगे।
- आप तन, मन या धन से कतिने ही सरल हो, कति भगवान की भक्तिका में दीनता का भाव रखें।
 - भगवान को परत समर्पण का भाव।

इन बातों का सरल शब्दों में संकेत यही है कि भगवान की शरण में जाएं तो सवारथ, अहं को छोड़कर जाएं।